

Induction Meeting for July 2024 session at IGNOU LSC Deoria & Gorakhpur



Regional Director, Dr. Upendra Nabh Tripathi attended induction meetings as a Resource Person at IGNOU LSC(R) 27119 BRD PG College Deoria & LSC(R) 48028 St. Andrews College Gorakhpur on 10.11.2024.

Dr. U N Tripathi, Regional Director elaborated the post admission activities and demonstrated the use of IGNOU website for student support and information in his presentation and highlighted flexibilities and facilities available for completion of programme and motivated learners to complete their study regularly and also briefed all activities like assignment submission, counseling classes, examination, Reregistration, and SLM related information to the learners. Dr. Tripathi advised all students to follow the social media accounts of IGNOU Headquarter and RC Varanasi and also to visit Regional Centre website regularly for latest information.

Dr. Amarnath, Coordinator at LSC 27119 and Dr. Rahul Srivastava coordinated the programme. Queries of participating learners were addressed by Academics and officials of LSC and counselors at study centre. Prof. S. C. Mishra, Principal, BRD PG College Deoria and Prof. C. O. Samuel, Principal, St. Andrews College Gorakhpur also attended these meetings at their respective institutions.











परिचय बैठक को संबोधित इग्नू के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक डा. यूएन त्रिपाठी दाएं से दूसरे, प्राचार्य डा.शरद चंद मिश्र (दाएं) 🖷 सौ.महाविद्यालय

जासं, देवरियाः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के निदेशक डा.यूएन त्रिपाठी ने कहा कि इग्नू अध्ययन सामग्री दो ढंग से उपलब्ध कराती है। ई-ज्ञानकोश के माध्यम से आनलाइन सामग्री के माध्यम से अध्ययन को आसान बना रही है। सिविल सेवा व अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे अधिकतर छात्र इग्नू के विभिन्न अध्ययन केंद्रों से प्रवेश लेकर शैक्षिक योग्यता बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। बीआरडीपीजी कालेज के अध्ययन केंद्र में वह शनिवार को जुलाई के नव प्रवेशित शिक्षार्थियों के परिचय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकारी, अर्द्ध सरकारी, पुलिस, सेना आदि में नौकरी करने वाले अधिकारी या कर्मचारी र्स का चयन कर अपनी शैक्षिक

योग्यता को बढ़ा सकते हैं। इसके माध्यम से 333 शैक्षिक कार्यक्रम, डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र समेत कुल 1100 से अधिक कोर्स संचालित हो रहा है। महाविद्यालय के अध्ययन केंद्र में डिग्री, डिप्लोमा व प्रमाण-पत्र कोर्स समेत 31 कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। डेयरी टेक्नालाजी, फलों तथा सब्जियों के मुल्यवर्धन में डिप्लोमा व जैविक खेती में प्रमाण पत्र कोर्स कृषि के विद्यार्थियों के रोजगार में सहायक होगी। प्राचार्य प्रो.शरदचंद मिश्र ने कहा कि नौकरीपेशा लोगों के लिए इग्नू से पढ़ाई आसान है। पूर्व समन्वयक प्रो.हरिशंकर गोविंद राव ने अपने अनुभव को साझा किया। प्रो. पीएन सिंह ने आभार व्यक्त किया। संचालन समन्वयक डा.अमरनाथ ने किया। प्रो.रमेश यादव, डा.सत्येंद्र सिंह, डा. संजय बौद्ध मौजूद रहे।

जनोपयोगी शिक्षा से समाज निर्माण में योगदान दे रहा इग्नू : प्रो. त्रिपाटी

गोरखपुर, तिज संआवसाता । इन्द्रित ग ग्रहीय मुक्त विश्वविद्यालय (इन्त्) के वि गड्यान करिनेज आस्त्रमन केला पर तीवना को खात्र गरियन संधा की भाषीजन किया गया। इसमें नय प्रवाशत वाप झापाओं को रात्रीय कार्यों, कक्षाओं, ओंगरनाइन परीक्षा आनेतन और जिजासाओं और समस्याओं के नियारण के कारे में जानकारी ही गई।

वाराणसी के क्षेत्रीय निरोधक से बुधन जिपाती वे बजा कि वर्तमान मानकों के जनका को शल विकासनुका शिक्षा जोज को घहनी आवश्यकता बन गई है। इसके लिए हम् नए अन्संसानी प्रीसीयिको इनसन और जन उपयोगी शिक्षा व्यवस्था गोगराज हे रही है। सेडिका में भविष्य में है। प्री. अनंत कोर्ति तियारी ने इन्तू की एसही राजकुमार आदि मौजूद रहे।



इन्तु अन्यवन केन्द्र पर परिवय सभा के दौरान प्रो. युएन त्रिपाठी हुआ स्थापत।

भुख्य अतिथि हरन् सेत्रीय बल्गांलय विद्यान संकाथ के सभी विषयों में प्रासीयकत्ता और उसकी जनसामान्य तथ प्रारतातक में प्रवेश की संभावता भी दिख रही है। उन्होंने इन्नु की विशेषताओं के जारे में विस्तार से जानकारी है। यों, सीओ सेमप्रल ने कहा कि इन्तु गणवत्तापूर्ण शिक्षा को जन-जन तक

पहुंच के बारे में बताया। संहिका स्थित इन्नु आम्बन केंद्र (48078) के संसञ्चयक प्री राहल आँमास्तम ने कहा अध्यक्षत करते हुए संडिका के प्राचार्य कि छात्र कॉलेज में आयोजित परास्तर्ग सत्री के जहत उपरिवन ही। इस अपसा पर प्रो मनोज कुमार, प्रो दीपक सिंह, के हारा समाज निर्माण में महत्त्वपूर्ण पहुंचाने का कार्य तीन दलकों से कर रही 🗊 रवित्व कुमार, प्रो. सुझौल राव, प्रो

दैनिक दहकती रिपोर्ट गोरखपुर शहर गोरसपुर। सोमवार, ११ नवंबर २०२४ इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू अध्ययन केंद्र सेण्ट ऐण्ड्रयूज कॉलेज मे छात्र परस्परिक संवाद शिविर परिचय सभा का आयोजन

तथा परियोजना कायों की विस्तुतः आवेदन करके पूर्वनिर्धारित परीक्षां अपना पाठ्यज्ञम न्यूनतम समय जानकारी इग्नू के नव प्रवेशित जेन्द्र पर परीक्षा देने के लिये में पूर्ण कर सके। छात्रों को यह छात्रों और सलाहकारों से लाझा स्वतन्त्र रहता है। इसी क्रम में भी सलाह दी गयी कि अध्ययन किया गया। इम्मू की अध्ययन उन्होंने बताया कि आनलाइन केन्द्र पर आयोजित परामर्श सजो सामग्री पर बल देते हुए उसे पत्रेशा कार्यने हेतु इस महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति अवश्य छात्र उपयोगी बताया तथा यह को चयमित किया जा रहा है एवं सुनिष्ठिचत करें जिससे आध्ययन जेंस दिया कि स्लंश को सलाहकार आने वाले दिनों में विज्ञान संकाय कार्य में आ रही कठिमाइयों का क्काओं में आने से पूर्व इसका अध के सभी विषयों जैसे माइक्रों समाधान आध्ययन कोन्द्र पर ययन अवश्य करना चाहिये। ३३. बायोलोजी, औरप्रोयिक रसायन, उपलब सलाहकारों द्वारा त्यरित वयन सामग्री की सहायता एवं पर्यावरणीय विज्ञान जैसे अति रूप से हो सके। इस अवसर पर सलाहकार कक्षाओं से सामंजस्य महत्वपूर्ण विषयों में परारनातक प्रोठ मनोज गुमार, प्रोठ दीपक के साथ सत्रीय कार्यों को हम में प्रवेश की संभावना भी इस सिंह, प्रोठ रविन्द्र कुमार, प्रोठ जासानी से तैयार कर सकते हैं। महाविद्यालय में दिखाई दे रही सुशील राय, प्रोठ एसठढीठ संलाहकार कक्षाओं और सामान्य तक पहुँच पर विशेष ६ प्रवेशित विद्यार्थियों को अवगत है एवं इसके लिए इन्मू नित्या न जति एवं सिंग से परे इटकर सजीय कार्य की महत्ता इसलिये है। इन्मू आजयम केंद्र (4028) राजकुमार, प्रोठ जेठकेंठ पाण्डेय आगलाइन परीक्षा आयेदन यान प्रेठ अनल कीर्ति तिवारी में कलाया तथा जच्चा विक्रा के नये अनुसंधानों, प्रौद्योंपिकी उत्तव कोटी की विक्रा की व्यवस्था और मैं बढ़ जाती है क्योंकि परिवय सभा में उपस्थित अतिवियों एवं ठींठ म्वेत जनसन आदि विक्रि भ्रक्रिया की जानकारी देना था, आकृष्ट कराया। 🛛 ु क य समाचेशी विकास हेतु इम्मू की उत्मायन और जन उपयोगी तिक्षा उपस्तब्ध कराने तथा दृश्स्य किक्षा में इससे 30 प्रतिशत अंक का स्वागत करते हुए सम्पयक । विषयों के अनेक प्रयामर्श्वराता साथ ही साथ अध्ययन के तौरान अतिथि के रूप में फारे इग्मू प्रासंगिकता के बारे में जानकारी व्यवस्था के द्वारा समाज निर्माण व्यवस्था को विकसित करने पर संतक्षित तरता है और साथ ही 🕉 तहत सौवास्तव में कहा कि शिक्षक उपस्थित रहे। इग्मू आ रही जिज्ञासाओं एवं समस्याओं कोंग्रीय कार्यालय वर्षण्यी के दी. उन्होंने अपने उदबोयन में में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। बल देने के उददेश्य से स्वापित साथ परीक्षा के दीरान पर्यात अ. सलाहाकार कक्षाओं की महती आयधन केंद्र (4000) के परिषय का निधारण करना है। कार्यक्रम क्षेत्रीय निदेशक प्रोध युव्धनव की रेखाकित किया कि इसी क्रम में उन्होंने यह बताया किया गया। इन्हू की बिष्ठा प्रद्वति ययन सामग्री एककित रहती है। उपयोगिता है। अययन बंन्द्र पर समावेत को संवातन ठीव (सीमती) की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के त्रियादी में इस्मु के मुलमुत उदिरयों वर्तमान मानकों के अनुरूप कि इस्मु की स्वापना 1985 में जिसमें मुख्यत स्व शिक्षण, इस्मु का कोई भी छात्र चाई वह संचालित होने वाले विभिन्न ठाठ सीम्या मोदी ने किया। ६ प्राचार्य एवं सचिव प्रोठ सीठ औठ "जल जन का विश्वविद्यालय" कोशल विकासपुक्त शिक्षा आज संसद के अधिनियम हारा उच्च लिहिल सामग्री, दृश्य सम्रय देश के किसी में अध्ययन केन्द्र सलाहकार कक्षाओं जी महत्ता ान्यवाद झापन केन्द्र के समन्वयक संगुरल में कार्यक्रम में रली लोगों, एवं उसकी विशेषताओं से मय की महती आवश्यकता बन मई शिक्षा के लोकतंत्रीकरण, आयु ६ लामधी, चतमर्श, टेलिकाखेल्ल, पर पंजीकृत, हो, आनलाइम, इस्तिये बढ़ जाती है कि विद्यार्थी प्रेरत सहल श्रीवास्तव में किया।



का स्वागत करते हुए बताया कि

दहकली रिपोर्ट

गोरखपुर।इन्दिरा गाँधी "गुणवता युक्त उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय जन-जन तक पहुँचानें के लिये (हरन), अध्ययन कोन्द्र (48028) इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मक्त सेण्ट ऐण्ड्रयुज कॉलेज, गोरखपुर विश्वविद्यालय (इम्म्) विगत उ पर छात्र पारस्परिक संवाद शिविर दशकों से अधिक समय से (परिचय समा) का आयोजन सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। किया गया। इस कार्यक्रम का कॉलेज अपनी 125 वीं वर्षगीठ मुख्य उददेश्य गोरखपुर जनपद मना रहा है इसके जन्तर्गत में इंग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में नियमित इंग्नू अध्ययन केन्द्र का नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के साथ शैक्षणिक उन्नयन में अपना विशेष वार्तासाप करना, उन्हें सत्रीय महत्व रखता है। इम्मू की वर्तमान कार्यों की जानकारी देना, प्रासंगिकता और उसकी जन